A–0639

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DMA-101

Diploma in Medical Astrology (DMA)

चिकित्सा ज्योतिष के मूल सिद्धान्त

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. त्रिस्कन्ध ज्योतिष शास्त्र का परिचय दीजिए।

2. रोगों के सन्दर्भ में ग्रह-राशि-भाव का विचार कीजिए।

3. रोग ज्ञान की प्राविधि क्या है ? विस्तारपूर्वक लिखिए।

4. ज्योतिशास्त्र में रोगनिर्धारण की प्राविधि का सविस्तार वर्णन कीजिए।

5. आयु निर्धारण कैसे किया जाता है ? साथ ही आयु के प्रकारों का भी वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कर्मफल का परिचय दीजिए।

2. भाग्यफल पर विचार कीजिए।

3. त्रिविध कर्मों की समीक्षा कीजिए।

4. रोग एवं रोगी के परीक्षण का सिद्धान्त लिखिए।

5. ज्योतिषीय चिकित्सा पद्धति पर प्रकाश डालिए।

6. अरिष्ट का परिचय देते हुए कुछ अरिष्ट योगों का उल्लेख कीजिए।

7. मध्यमायु योगों का ऊलेख कीजिए।

8. अमितायु योग पर प्रकाश डालिए।

****